

चेन व मोबाइल लूटेरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार



कानपुर। सरेराह मोबाइल व चेन लूट करने वाले तीन शातिर बदमाशों को हरबंशमोहाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इलाके में रहने वाले तीन लड़कों ने मिलकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एडोसीपी ईस्ट मनोज कुमार पांडेय ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि एक निजी कंपनी में काम करने वाला अंश कूपर 24 अप्रैल की रात को एक्सप्रेस रोड पर कंपनी के पोस्टर लगा रहा था। इस दौरान तीन युवक आए और गाली-गलौज के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसकी जेब से मोबाइल, रुपए और गले से चेन लूट ले गए थे। पीड़ित अंश कूपर ने पुलिस को सूचना दी थी। मामले की जांच कर रही हरबंशमोहाल पुलिस ने सर्विलांस की मदद से और लूट हुए मोबाइल के एक्टिव होते ही 24 घंटे के भीतर लूटपाट करने वाले तीनों शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने अपना नाम सुतरखाना हरबंशमोहाल निवासी बिरजू उर्फ उमर, सुतरखाना हरबंशमोहाल निवासी हरपू उर्फ अर्श और केला वाला हाता मथुरी मोहाल हरबंशमोहाल निवासी राज खान बताया। पुलिस ने लूट का मोबाइल और चेन भी बरामद कर ली है। इसके बाद तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

होटल की पहली मंजिल से गिरकर छात्र की संदिग्ध हालात में मौत

कानपुर। एक होटल की पहली मंजिल से गिरकर बीए के छात्र की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिवार के लोगों ने छात्र के दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हरबंशमोहाल थाने में तहरीर दी है। होटल के सीसीटीवी फुटेज से भी पुलिस को अहम साक्ष्य मिले हैं। घटना हरबंश मोहाल थाना क्षेत्र की है।



नौबस्ता खाड़पुर निवासी शिवा गौतम बीए सेकेंड ईयर का छात्र था। मृतक के बुआ के बेटे सौरभ ने बताया कि शुक्रवार रात को शिवा के दो दोस्त सौरभ सैनी और अभिषेक सविता घर आए थे। इसके बाद शिवा दोनों दोस्तों के साथ चला गया था। देर रात 3.30 बजे सूचना मिली कि हरबंश मोहाल के एक होटल से गिरकर शिवा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें पुलिस की मदद से हेलिकॉप्टर के आईसीयू में एडमिट कराया गया है। शनिवार सुबह इलाज के दौरान शिवा ने दम तोड़ दिया। सौरभ ने बताया कि हम लोगों ने होटल जाकर देखा तब पता चला कि तीनों दोस्त रात 12 बजे होटल में पहुंचे थे। इस दौरान शिवा का दोनों दोस्तों से झगड़ा हुआ और संदिग्ध हालात में छिड़की से गिरकर मौत हुई है। होटल के कमरे की मेज का ग्लास टूटा था और पूरा सामान अस्त-व्यस्त हालत में पड़ा हुआ था। परिवार के लोगों ने हत्या की आशंका जताते हुए हरबंशमोहाल थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मौके से दोनों दोस्तों को हिरासत में लिया है। डीसीपी ईस्ट श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि युवक शिवा की होटल के पहली मंजिल से गिरकर मौत हुई है। मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच करने पहुंची थी। दोनों संदिग्ध दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में आज लगेगा विशाल स्वास्थ्य शिविर

कानपुर। आगामी 27 अप्रैल को बेनाझावर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में रोटेरी क्लब कानपुर सेंट्रल और पारस हेल्थ के तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य है कि समाज को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर निःशुल्क प्राथमिक जांच की सुविधा प्रदान की जाए, जिससे भविष्य में होने वाली बड़ी बीमारियों से लोगों को बचाया जा सके। यह जानकारी डॉ अवध दुबे ने दी। डॉ दुबे ने बताया कि शिविर सुबह 9 से 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें कैंसर, हड्डी, हृदय, नेत्र, स्त्री, बच्चों की



रोटेरी क्लब कानपुर सेंट्रल व पारस हेल्थ के तत्वावधान में होगा कार्यक्रम

जांच, नाक, कान, गला समेत सभी प्रकार जांच अनुभवी डॉक्टरों द्वारा की जाएगी। वहीं संतनु सरकार हेड-कार्पोरेट कन्सुल्टेशन एंड मार्केटिंग पारस हेल्थ ने कहा कि समाज की भलाई के लिए सुलभ

स्वास्थ्य अत्यंत आवश्यक है। इसी सोच के तहत रोटेरी क्लब कानपुर सेंट्रल के साथ विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह केवल मुफ्त सेवा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका

उद्देश्य है कि हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि शिविर में जांच किए गए पॉजिटिव मरीजों को पारस हॉस्पिटल और पारस सिटी क्लीनिक में एक निःशुल्क परामर्श की सुविधा भी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि रोटेरी क्लब कानपुर सेंट्रल और पारस हेल्थ इस तरह के सेवा कार्यक्रम आगे भी जारी रखेंगे।

विश्वविद्यालय ने एक वर्ष में किया 359 पेटेंट व 65 डिजाइन फाइल



कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर एक सप्ताह में 101 पेटेंट और 59 डिजाइन फाइल किए। विश्वविद्यालय ने पिछले एक वर्ष में कुल 359 पेटेंट और 65 डिजाइन फाइल किए हैं। यह उपलब्धि भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान और नवाचार का एक नया मानक स्थापित करती है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2025 के अवसर पर विश्वविद्यालय ने दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का

मिली। आइडियाथॉन में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। क्राइस्ट चर्च कॉलेज की जुही सिंह को प्रथम पुरस्कार के रूप में 10,000 रुपये मिले। स्वास्थ्य विज्ञान विभाग की वर्तिका सचान को द्वितीय पुरस्कार के 6,000 रुपये और होटल प्रबंधन विभाग के शिवांसु सचान को तृतीय पुरस्कार के 4,000 रुपये प्रदान किए गए। यह आयोजन विश्वविद्यालय की नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यह शैक्षणिक संस्थानों में अनुसंधान और विकास की नई संभावनाओं को भी प्रेरित करता है।

महिला को सशक्त बनाने हेतु मैरी गोल्ड ने की थी शुरु

कानपुर। ब्रिटानिया मैरी गोल्ड ने हर स्टार्ट-अप शो के सीज़न 2 के लॉन्च की घोषणा की। ग्रुप एम मोशन एंटरटेनमेंट और माइंडशेयर के साथ साझेदारी में लॉन्च किया गया यह शो देश भर की महिला उद्यमियों को समर्पित पहली राष्ट्रीय रियलिटी सीरीज़ है, जो उनके विचारों को प्रदर्शित करने का एक मंच है। ब्रिटानिया के जनरल मैनेजर सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की यात्रा ब्रिटानिया मैरी गोल्ड ने पाँच साल पहले इस साधारण विश्वास के साथ शुरू की थी कि भारत भर में लाखों महिलाओं के पास शक्तिशाली विचार हैं, और उन्हें बस एक ऐसे मंच की आवश्यकता है, जहाँ उनके विचारों को समझा जाए और समर्थन दिया जाए। एक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के रूप में शुरू हुई यह यात्रा हरस्टोर और अब हर स्टार्ट-अप शो के सीज़न 2 जैसी पहल के साथ एक मजबूत तंत्र में विकसित हो गई है।

गौशाला निर्माण में देरी होने पर कार्यदायी संस्था को किया गया ब्लैक लिस्टेड

डीएम ने की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने नवीन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अंतर्गत विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान शादी अनुदान योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुओं के टीकाकरण, कृषि, शिक्षा, पिछड़ा वर्ग कल्याण, लोक निर्माण समेत अन्य विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने दिए कि जिन विभागों ने अब तक वार्षिक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं की है, वे पिछले वर्ष के कुल लक्ष्य का 20 प्रतिशत जोड़कर नया लक्ष्य निर्धारित करें और उसे 12 माह में विभाजित कर मासिक लक्ष्य सुनिश्चित करें। इसी आधार पर लाभार्थियों को लाभान्वित करने की प्रक्रिया शुरू की जाए। जिलाधिकारी ने वृहद गौशाला निर्माण कार्य में विलंब पूर्ण कराने पर कार्यदायी संस्था यूपीसीएलडीएसएफ को ब्लैकलिस्ट करने एवं अधिशासी अभियंता के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी खंड विकास अधिकारियों द्वारा अपने-अपने ब्लॉकों में प्रत्येक माह 30 निराश्रित गोवंशों को संरक्षित करने एवं मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत कम से कम 40 गोवंश सुपुर्द कराने की कार्रवाई



करें। जिलाधिकार ने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि उनके द्वारा भी प्रति माह 100 निराश्रित गोवंशों को संरक्षित किया जाए। नगर पालिका परिषद बिल्हैर, घाटमपुर और नगर पंचायत बिदूर व शिवराजपुर को निर्देश दिए कि उनके द्वारा भी प्रत्येक माह 25 गोवंशों को अपनी अपनी गौशालाओं में संरक्षित किया जाए। जिसकी मासिक समीक्षा जिला पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा की जाए। जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनों के आधार लिंकिंग संबंधी प्रगति पर असंतोष जताते

हुए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी लंबित प्रकरणों का आज ही सत्यापन कराया जाए। जनपद की रैंकिंग पर अस्सर डाल रही 10 लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने प्रमुख सचिव को पत्र भेजने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लैक स्पॉट व हादसों में कमी लाने को लेकर हुआ मंथन

स्कूली वाहनों पर अंकित किए जाए मोबाइल न. मिश्रिख सांसद की अध्यक्षता में नवीनसभागार में हुई बैठक

कानपुर। शनिवार को सरसैया घाट स्थित नवीनसभागार में मिश्रिख सांसद अशोक रावत की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत कराए गए कार्यों को लेकर बैठक की गई। बैठक में विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, विधायक राहुल बच्चा सोनकर मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिये किए गए। जिस पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संबंधित विभागों को कार्रवाई हेतु निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कानपुर-सागर मार्ग पर ब्लैक स्पॉटों को चिन्हित कर दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के निर्देश दिये। जिसमें एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि ब्लैक स्पॉटों पर साईन बोर्ड, सेन्ट्रल लाईन रम्बल स्ट्रिप आदि का सुधार कार्य करा दिया गया है तथा जहाँ पर जमीन उपलब्ध है वहाँ पर मार्ग के चौड़ीकरण



हेतु आगणन गठित कर उच्चाधिकारियों को प्रेषित किया जा चुका है। जिस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि आगणन की स्वीकृति करारकर कार्य को शीघ्र कराये तथा परिवहन व पुलिस विभाग को स्कूली वाहनों पर स्कूल के मोबाइल नं0 अंकित कराये व ओवर स्पीड व बेतरकीय वाहन चालकों का चालान किया जाये। इसके अलावा अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग को, सीटीआई नहर को पक्का कराये जाने हेतु एनओसी जारी किये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन,

सहायक पुलिस उपायुक्त अर्चना सिंह, सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि के अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-2, लोनिवि, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग, अधिशासी अभियन्ता पीएमजीएसवाई, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता केस्को, अधिशासी अभियन्ता नगर निगम, कानपुर एनएचएआई एवं भूपार्थ जल विभाग आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों ने पेंटिंग के माध्यम से बनाई पृथ्वी की आकृति



कानपुर। सप्ताह की शुरुआत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता से हुई, जिसमें विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने पृथ्वी की सुरक्षा और प्रदूषण के दुष्परिणामों को कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। आकर्षक चित्रों और प्रेरक नारों ने न केवल दर्शकों का ध्यान खींचा, बल्कि बच्चों को भी पर्यावरण के प्रति गंभीरता से सीबने पर मजबूर किया। वहीं प्रि- प्राइमरी विंग के बच्चों ने हरे रंग की पोशाक पहनकर वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। साथ ही उन्होंने गुब्बारा पेंटिंग के माध्यम से पृथ्वी की आकृति बनाई, जिससे उन्हें खेल-खेल में पर्यावरणीय मूल्यों की शिक्षा मिली। प्राइमरी और सीनियर विंग के

बच्चों ने मिलकर स्कूल परिसर में वृक्षारोपण किया। इसके साथ ही बच्चों ने यंग इंडियस की प्रतिनिधि डॉ संजीवनी के साथ एक संवाद सत्र में भाग लिया, जिसमें प्लास्टिक प्रदूषण पर विस्तृत चर्चा हुई। डॉ संजीवनी ने बच्चों को बताया कि प्लास्टिक केवल सार्वजनिक समस्या नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। ग्रीन वीक के समापन पर 30 मई को एक विशेष पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसका विषय होगा पर्यावरण संरक्षण। यह कार्यक्रम बच्चों को अपने विचारों को प्रस्तुत करने और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका समझने का अवसर देगा।

आतंकी हमले के विरोध में पाक के झण्डे को पैरों से रौंदा



कानपुर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में स्वरूप नगर में लोगों ने पाकिस्तान के झंडे को जमीन पर चिपकाकर पैरों तले रौंद रहे हैं। पाक को लेकर लोगों में गुस्सा भी साफ देखा जा सकता है। लोगों ने झंडे पर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी लिखे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पाकिस्तान का झंडा जमीन पर इसलिए लगाया है कि उसकी हैसियत हर एक हिंदुस्तानी में उसको सही जगह दिखाई जा रही है। पहलगाम में हुए हमले के बाद लोगों के मन में इस कदर गुस्सा है कि पाकिस्तान के खिलाफ लगातार नारेबाजी और पुतला फूंक रहे हैं। लोगों ने ये भी कहा कि सरकार इस हमले का बड़ा इंतकाम ले। ताकि हर एक आतंकी और हर एक पाकिस्तानी को ये याद रहे है कि भारत की जमीन पर इस तरह की नापाक हरकत करना ठीक नहीं है।

आतंकी हमले शहीद शुभम के परिजनों से मिले विधायक

कानपुर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद शुभम द्विवेदी के पैतृक गांव हाथीपुर में सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने परिवार से मुलाकात की। उन्होंने शुभम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधायक बाजपेई ने परिवार से मिलते ही भावुक होते हुए सरकार से आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। घटना के चार दिन बाद भी शुभम के पैतृक गांव में शोक का माहौल है।

खबर एक नजर

चलती बाइक में लगी आग, युवक को कूदा

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र के जनता नगर पुलिस चौकी के पास शनिवार दोपहर को एक चलती बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक में आग लगते ही युवक ने तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। बाइक सड़क के बीचोंबीच आग का गोला बन गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। वहां मौजूद कुछ लोगों ने बाइक में लगी आग को बुझाने के लिए मिट्टी खलने की कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास नाकाम रहे। बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई।



नेत्रहीन छात्रों पर हुए लाठी चार्ज

का राविपा ने की निंदा

कानपुर। चित्रकूट स्थित रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय में नेत्रहीन छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने निंदा की है। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों ने नेत्रहीन छात्रों पर लाठीचार्ज किया। यह मानवाधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को संवेदनहीन बताया। उन्होंने बताया कि छात्र अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से अनुरोध कर रहे थे। पार्टी द्वारा राविपा को धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। दोषियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की जाएगी। बैठक में महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, मंडल अध्यक्ष अशोक कुमारए वैभव दीक्षित और गुड्डी दीक्षित समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अतिक्रमण एवं अवैध विज्ञापनों के खिलाफ चला अभियान

कानपुर। अवैध अतिक्रमण व विज्ञापनों के खिलाफ नगर निगम का अभियान जारी है। इसी क्रम में शनिवार को नगर निगम सीमान्तर्गत जोनल अधिकारी जोन-2 के नेतृत्व में आवास विकास हंसपुरम स्थित समाधि पुलिया से एसजे पुलिया तक अतिक्रमण अभियान चलाते हुये 22 अवैध झुग्गी-झोपड़ी तथा 5 पके अवैध निर्माण को हटया गया। इसके साथ ही शहर के सभी जोनों में अवैध एवं अनाधिकृत रूप से प्रतिस्थापित विज्ञापन-पटों को हटाया गया। अभियान में 450 क्यास्क, 45 बिल बोर्ड व 25 रोड क्रॉस बैनर एवं रावतपुर, पोरोड व कम्पनी बाग में स्थित 3 होडिंग कुल-523 अवैध विज्ञापन पटों को हटाया गया।



आज श्री बाला जी महाराज का 9वां धूमधाम से मनाया जाएगा

कानपुर। श्री बालाजी भक्त परिवार समिति के तत्वाधान में श्री बालाजी महाराज का 9वां महोत्सव रविवार को नानाराव पार्क में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम में भगवान का भव्य दरबार सजा कर छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे। भगवान पर इत्र व पुष्पवर्षा की जाएगी। आयोजक मंडल ने बताया कि महोत्सव में कानपुर समेत विभिन्न प्रदेशों के गायक भजन संस्था में शामिल होंगे। इससे पहले समिति के सदस्यों ने कश्मीर में मारे गए पर्यटकों की आत्मा की शांति के दो मिनट का मौन रखा। संयोजक महंत अनुभव पांडेय ने बताया कि पिछले 9 सालों से बालाजी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस बार 27 अप्रैल को आयोजन किया जाएगा। जिसमें बालाजी महाराज का भव्य श्रंगार कर अद्भुत चोला अर्पित किया जाएगा। इसके साथ ही नृत्य नाटिका, अखंड ज्योति के साथ भंडारे का भी आयोजन होगा। महोत्सव में महिला मंडल की ओर से महारास का आयोजन होगा। जयपुर की गायिका सुरभि चतुर्वेदी, लखनऊ के अंशु पापाल, कानपुर के अभिषेक शुक्ला, मुकुल बंधु, देवा शुक्ला प्रभु के मनोम भजन प्रस्तुत करेंगे। इस मौके पर मुन्ना गुप्ता, ललित मिश्र, नीरज गुप्ता, आकाश शर्मा, विनोद कश्यप, सुरेश साहू, अमित गुप्ता मौजूद रहे।

पहलगाम घटना पर रविवार को बाजार बंदी का ऐलान



फ़तेहपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में देशवासियों का गुस्सा बढ़ता ही

जा रहा है। शुक्रवार को विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रविवार को बाजार बंद रखने का ऐलान किया है। संयुक्त व्यापार मंडल, संयुक्त सभासद, विश्व हिंदू परिषद, सर्राफ एसोसिएशन, अभिभावक संघ, भारत विकास परिषद, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, युवा विकास समिति, बुद्धिजीवी एनजीओ समेत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट आए और डीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि आगामी 27 अप्रैल दिन रविवार को संयुक्त व्यापार मंडल, समस्त सभासद एवं समस्त सामाजिक संगठन व जनमानस के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करके घटना पर आक्रोश प्रकट किया जाएगा।

इसी दिन एक बजे कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। इसके उपरान्त शाम सात बजे काले झण्डे लगाकर दीप व मोमबत्ती जलाकर शहीद सैलानियों की श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। संगठनों ने डीएम से मांग किया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की जाए। इस मौके पर फ़तेहपुर आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप गाँ, उद्योग व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा, अभिनव यादव, बबला सोनी, अमित सोनी, आफ़क़ अली, मनोज, प्रमोद गुप्ता, सोनू यादव, महाताब आलम, राहुल सोनी, श्रेयांश सोनी, विनोद गौतम भी मौजूद रहे।

कांग्रेस उपाध्यक्ष ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफ़ा

फ़तेहपुर। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुधाकर अवस्थी ने कहा कि गृहमन्त्री भारत सरकार अमित शाह का लोकसभा के अंदर कश्मीर में सुरक्षा के चाक चौकड़ व्यवस्था करने का दावा खोखला साबित हुआ। उनके भरोसे के कारण सैलानियों को काश्मीर पर्यटन के लिए मुफ़ीद स्थान समझ में आने के कारण भारी संख्या में वहां लोगों ने जाना शुरू कर दिया था किंतु सरकार की सजगता व सतर्कता के अभाव में सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के कारण बैसरन पहलगाम में आतंकियों को आतंक फैलाने के लिए मौका मिल गया और 28 बेगुनाह सैलानियों की हत्या आतंकवादियों ने बड़ी निर्ममता से कर दी।

आतंकी हमले में मारे गए मृतक के परिजन जो उनके साथ थे उनका स्पष्ट आरोप है कि घटना स्थल पर सुरक्षा के नाम पर न तो एक पुलिस का आदमी मौजूद था और न ही सेना का कोई जवान मौजूद था, अन्यथा इतने बड़े आतंकी हमले को रोक़ा जा सकता था। पर्यटन बलिदानी के परिजनों ने सरकार से भरोसा उठ जाने की बात कही है। समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से परिजनों की पीड़ा समझी जा सकती है। अपने झूठे दावे की जिम्मेदारी लेते हुए नैतिकता के आधार पर गृहमन्त्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

ग्राम पंचायतों में बाल सभा के ज़रिए भविष्य की लीडरशिप को दी नई दिशा

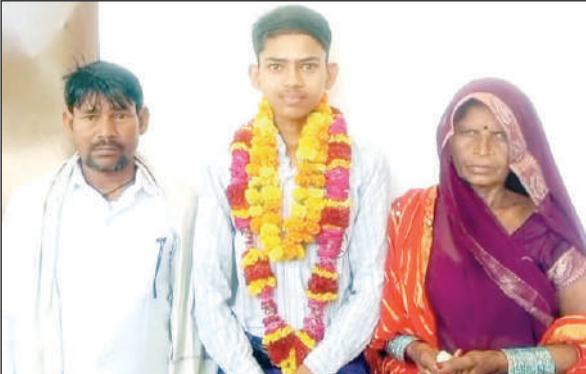
फ़तेहपुर। पंचायती राज दिवस सप्ताह के अवसर पर पिरामल फ़उंडेशन के नेतृत्व में सुजानपुर सहित जिले की बीस ग्राम पंचायतों सेमीर, सुजानपुर, शामियाना, खटौली, चुरियानी, साहीपुर, पलिया बुजुर्ग, मोहम्मदपुर नेवादा, उज़ीर एवं तरापुर में बाल सभा पर केंद्रित विशेष कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के ज़रिए यह संदेश दिया कि ग्राम पंचायतों की मज़बूती तभी संभव है जब उसकी योजना और निर्णय प्रक्रिया में बच्चों की भी प्रभावी भागीदारी हो। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल बच्चों को पंचायत की निर्णय प्रक्रियाओं से जोड़ना था, बल्कि उन्हें नेतृत्व, अभिव्यक्ति और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना भी था। इन आयोजनों में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में बाल सभा के स्वरूप, बच्चों की भागीदारी, उनके विचारों और अधिकारों को लेकर गहन संवाद हुआ। यह पहल न केवल बच्चों की आवाज़ को मंच देने की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पिरामल फ़उंडेशन ग्राम पंचायतों को बाल मैत्री पंचायत में रूपांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध है।बाल सभा के दौरान बच्चों को अपनी बात रखने का मंच मिला, जहां उन्होंने अपने गांव की समस्याएं, ज़रूरतें और समाधान साझा किए। पंचायत प्रतिनिधियों ने बच्चों के विचारों को गंभीरता से सुना और बाल अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे विषयों पर संवाद किया। इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि यदि बच्चों को सुना जाए और उन्हें निर्णय प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए, तो वे भी गांव के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पिरामल द्वारा संचालित इस नवाचारी पहल ने ग्राम पंचायतों को बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास प्रस्तुत किया। अंत में सभी पंचायतों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने गांवों को बच्चों के लिए सुरक्षित, सशक्त और समावेशी मंच बनाएंगे, जहाँ बच्चों को आवाज़ को सम्मान मिलेगा और उनकी भागीदारी को पंचायत स्तर पर प्राथमिकता दी जाएगी। ब्लॉक बहुआ अन्तर्गत ग्राम पंचायत सुजानपुर में महिला ग्राम प्रधान हेमलता पटेल की उपस्थिति में भी गांव के प्राइमरी स्कूल में बाल सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिरामल फ़उंडेशन प्रोग्राम मैनेजर रॉबिणी रॉय, अकरम, अनुप्रिया व अभिभावक व स्कूल स्टाफ़ भी मौजूद रहे।

भागवत कथा समापन पर श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

खागा (फ़तेहपुर)। कस्बा स्थित मां शीतला धाम शक्ति पीठ मंदिर परिसर में शुक्रवार को श्री शतचंडी यज्ञ एवं श्रीदद भागवत कथा समापन पर भंडारे का आयोजन हुआ। इसी प्रकार खागा रेलवे क्रासिंग पंचमुखी हनुमान मंदिर के पीछे चल रही कथा के समापन पर श्रद्धालुओं को भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया।विजयीपूर कस्बा स्थित मां शीतला धाम शक्ति पीठ मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे में सर्वप्रथम छोटी-छोटी कन्याओं को बुलाकर उन्हें भोजन कराया गया। उसके बाद क्षेत्र के गांवों से आए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण हुआ। सदर पूर्व विधायक विक्रम सिंह ने भंडारे में पहुंच कर प्रसाद लिया। देर शाम तक भंडारे में प्रसाद वितरण हुआ। उमेश सिंह तोमर, दिनेश सिंह, सोपन सिंह, अभय, रोहित सिंह, रुद्रदत्त सिंह, राममूर्त, नरेश, राहुल राजू सिंह आदि भक्त भंडारे की व्यवस्था में लगे रहे। खागा रेलवे क्रासिंग पंचमुखी हनुमान मंदिर के पीछे सेवानिवृत्त शिक्षक बालकृष्ण निपाठी के दवाजे चल रही श्रीमद भागवत कथा समापन पर भंडारा आयोजित हुआ। सुबह विद्वान आचार्य ने यज्ञहूति कराई। जिसमें मुख्य यजमान समेत परिवार के लोगों ने विश्व कल्याण की कामना करते हुए यज्ञहूति दी। भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। डा. ब्रजेंद्र त्रिपाठी, सुरेन्द्र त्रिपाठी, बउवा त्रिपाठी, अनुपम दीक्षित, दिनेश दीक्षित, रजनी त्रिपाठी, श्रवण कुमार, जुगल दुबे, रितेश दुबे, भोले शुक्ला, अखिलेश अग्रही, कन्हू शुक्ला, राजू शुक्ला सहित भक्त उपस्थित रहे।

फतेहपुर समाचार

यूपी बोर्ड परीक्षा में जनपद के श्रेयांश ने मारी बाजी



- हाईस्कूल में प्रदेश में हासिल किया 9वां स्थान
- नामचीन विद्यालयों का प्रदर्शन रहा औसत दर्जे का

फ़तेहपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. के परिणाम आते ही जनपद के विद्यालयों में विद्यार्थियों की धूम दिखाई दी। यूपी बोर्ड की ओर से शुक्रवार दोपहर साढ़े बारह बजे हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। परिणाम देखकर मैथवी छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे। छात्र छात्राओं ने विद्यालय पहुंचकर अपनी खुशी का इजहार किया। वहीं विद्यालय भी बेहतर परिणाम को लेकर बेहद उत्साहित नज़र आये। परीक्षा परिणामों में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में 9वां स्थान लाकर जनपद के हुसैनगंज कस्बे में स्थित जनक दुलारी इंटर कॉलेज के छात्र श्रेयांश ने बाजी मारी है। जहां एक ओर इस मामले में बड़े नाम वाले विद्यालयों के छात्रों का प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा, वहीं जनक दुलारी इंटर कॉलेज के छात्र श्रेयांश ने बाजी मारकर यह साबित किया है कि सफ़लता के लिए नामचीन कॉलेज ही कतई जरूरी नहीं है।

इसी कड़ी में जनपद के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में शुमार मदर सुहाग इण्टर कॉलेज की छात्रा नैसी वर्मा व छात्र सार्धक श्रीवास्तव ने 93 फ़ैसदी, आशुष पाण्डेय ने 92 फ़ैसदी, शिवांगी मौर्य ने 91 फ़ैसदी, इंटरमीडिएट में प्रिन्स कुमार पटेल ने 90 फ़ैसदी अंक हासिल किया। प्रबन्धक मोहित सिंह चंदेल ने सभी का माल्यार्पण करते हुए आगे और बेहतर रिज़ल्ट देने का संकल्प लिया और बच्चों को दितवाया। शहर के विद्यालय जय मां सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कालेज राधानगर की इंटरमीडिएट की छात्रा प्रीति सिंह ने 93.4 प्रतिशत हासिल किए। वहीं हाईस्कूल में विद्यालय की छात्रा अनुप्रिया सिंह 95.5 छठवां व पूजा 95 प्रतिशत अंक हासिल कर जनपद में नौवा स्थान हासिल किया। वहीं सरस्वती बाल मंदिर इंटर कालेज रघुवंशपुरम में विद्यालय के मैथवी छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर व माल्यार्पण कर उन्हें अच्छे अंक हासिल करने पर सम्मानित किया गया। राधानगर स्थित



सुंदरमती बालिका इंटर कालेज में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में नंदनी द्विवेदी 91 प्रतिशत, रोशनी मौर्या 89 प्रतिशत, शिवानी देवी 87 प्रतिशत, हर्षल विश्वकर्मा 89 प्रतिशत, भूपेंद्र 88 प्रतिशत, हर्ष कुमार 90 प्रतिशत, दीपक पांडेय 87 प्रतिशत का माला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसी तरह रामलखन आदर्श विद्या निकेतन गर्ल्स इंटर कालेज का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। वहीं साईं सिटी मांटेसरी माध्यमिक विद्यालय में प्रबंधक पवन कुमार सिंह द्वारा बेहतर अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस विद्यालय के आधा दर्जन छात्रों एवं इण्टर मीडिएट के पांच छात्रों ने 90 फ़ैसदी के क़रीब अंक अर्जित किया। श्रीमती बाल मंदिर इण्टर कॉलेज शिवपुरम में दस बच्चों ने 84 से 89 फ़ैसदी तक अंक प्राप्त कर सफ़लता अर्जित किया।

दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ़्तार
फ़तेहपुर। कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के दो आरोपियों को गिरफ़्तार करते हुए कामयाबी हासिल की है। बताते चलें कि कोतवाली के उपनिरीक्षक विनीत कुमार उपाध्याय अपने हमराही हेड कॉन्स्टेबल पंकज पाण्डेय के साथ वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चेकिंग अभियान चला रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी महेन्द्र कुमार यादव पुत्र स्व० श्रीराम यादव एवं कमलेश उर्फकन्हू पुत्र रामशरण यादव निवासीगण ग्राम फ़ुकहा पो० हरिहरपुर थाना तड़ियावां जनपद हरदोई को गिरफ़्तार कर न्यायालय भेजा है।



नेत्रहीन सीमा ने रचा इतिहास: यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का आज परीक्षा परिणाम घोषित हुआ जिसमें कई छात्रों ने जहां अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं पीसीपी इंटर कालेज हुसैनगंज में हाईस्कूल की नेत्रहीन दिव्यांग छात्रा सीमा पाल पुत्री लाल बहादुर पाल निवासी महेशपुर ने 78.81 प्रतिशत अंक हासिल इतिहास रच दिया। इसकी चर्चा दिन भर जिले में होती रही। जिला पंचायत सदस्य अजय सिंह रिक् लोहारी ने एलम्को के द्वारा दिव्यांग नेत्रहीन छात्रा को स्मार्ट फ़ोन दिलाया। साथ ही हुसैनगंज सीएचसी के अधीक्षक के साथ मिलकर नेत्रहीन छात्रा का स्वागत किया। साथ ही लोहारी ने कहा कि नेत्रहीन छात्रा ने हाईस्कूल की परीक्षा में अच्छे अंक लाकर इतिहास रचा है। इस छात्रा को भविष्य में यदि किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होगी तो वह हमेशा उसके साथ खड़े रहेंगे।

विहिप व बजरंग दल ने पाकिस्तान का फूँका पुतला

फ़तेहपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या किये जाने पर बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद ने जमकर आक्रोश जताते हुए घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान का पुतला फूँक कर अपना विरोध जताया। शुक्रवार को चौक चौराहे पर बजरंग दल के प्रांतीय महामंत्री वीरेंद्र पांडेय की अगुवाई में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या किए जाने पर आक्रोश जताते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया तत्पश्चात पाकिस्तान का पुतला फूँक कर घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान व आतंकियों के खिलाफ भारत सरकार से कार्रवाई की मांग किया। इस मौके पर जिला सह संयोजक धर्मेन्द्र सिंह जनसेवक आदि रहे।

खबर एक नज़र

खबर एक नज़र
पालिका के संविदा कर्मियों का एरियर व पीएफ भुगतान की मांग फ़तेहपुर। नगर पालिका परिषद फ़तेहपुर के संविदा कर्मचारियों का एरियर व पीएफ भुगतान के अलावा लोन की संस्तुति प्रदान करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय सफ़ई मजदूर संघ ने अधिशाषी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। अ.भा. मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज कुमार, जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिमौर्या, महामंत्री राजेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार बख्शी ने आगे को ज्ञापन सौंपकर बताया कि नगर पालिका परिषद फ़तेहपुर के संविदा कर्मचारी पिछले 47 वर्षों से कार्यरत हैं। इन कर्मचारियों का पीएफका पैसा 2019 तक कट रहा था। नगर पालिका परिषद के संविदा कर्मचारियों का वेतन का पैसा मांगने पर कर्मचारियों को पैसों की कोई जानकारी दी जा रही है। एरियर भी भुगतान नहीं किया जा रहहै है क्योंकि अब कर्मचारियों के बेटे और बेटियां अब बड़ी हो गई है। इस दशा में कर्मचारी बड़ी विषम परिस्थिति में खड़ा है। बेटियों की शादी का दबाव और सामाजिक दबाव वह अपने आपको असहाय महसूस कर रहा है। उनके शादी विवाह के लिए पैसे की नितांत की आवश्यकता है। संविदा कर्मचारी होने की दशा में बैंक से लोन मांगने पर बैंक वाले भी हाथ खड़ा कर रहे हैं। मांग किया कि संविदा कर्मचारियों को एरियर व पीएफका पैसा भुगतान करने व बैंकों द्वारा लोन दिए जाने की स्थाई कर्मचारियों की भांति संविदा कर्मचारियों को भी दिया जाए जिससे कर्मचारियों की बेटियों की शादी व अन्य जरूरतें पूरी हो सकें। आर्थिक परिस्थितियों से छुटकारा मिल सके। अंबेडकर जन्म दिवस पखवाड़ा - बाबा साहब.... विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन फ़तेहपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज अंबेडकर जन्म दिवस पखवाड़े मनाने जाने की कड़ी में बाबा साहब एक महान व्यक्तित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें रिफ्त जहां बीएससी द्वितीय वर्ष ने प्रथम, रिमता सोनी बी०ए०प्रथम वर्ष ने द्वितीय और जुबेदा बी०ए० द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हंदी विभागाध्यक्ष डॉ० रयाम जी सोनकर, गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ० ज्योति कुमारी और जंतु विज्ञान विभाग के असि० प्रो० डॉ० राजकुमार ने निर्णायक की भूमिका निभाई। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष बसंत कुमार मौर्य ने अंबेडकर के जीवन से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जातिवाद के खिलाफ उनके संघर्षों को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि विद्या हमें बंधनों से मुक्त करती है, कोई भी व्यक्ति धर्म, जाति और पंथ के आधार पर उच्च या निम्न नहीं होता, बल्कि वह अपने कर्मों से बड़ा या छोटा होता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य गुलशन सक्सेना ने छात्राओं को आंबेडकर जी के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष बसंत कुमार मौर्य ने किया। उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. ज़िया तस्नीम ने सुरुचिपूर्ण शब्दों में सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रो. सरिता गुप्ता, प्रो. शकुंतला, प्रो. लक्ष्मी भारती, प्रो. प्रसांत द्विवेदी, शरद चंद्र राय, डॉ. चारु मिश्रा, रमेश सिंह, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति गुप्ता, डॉ. चंद्रभूषण, डॉ. अनुष्का छौक़र आदि मौजूद रहे।

जिहादी आतंकवाद व्यवस्थित युद्ध का हिस्सा है



- हृदयनारायण दीक्षित

दुनिया अनेक युद्धों की गिरफ्त में है। कहीं युद्ध जारी है और कहीं वैश्विक तनाव के कारण युद्ध की संभावनाएं हैं। भारत में कश्मीर के पहलगाम में हृदय विदाकर जिहादी हमला हुआ है। इसे युद्ध कहना ज्यादा उचित होगा। यह स्वतंत्र घटना नहीं है। इसके पहले भी अनेक ऐसे ही हमले हुए हैं। क्या मुंबई के '26/11' के नाम से चर्चित नवंबर 2008 के हमले को केवल आतंकवादी घटना कहा जा सकता है? यह दरअसल अपने ढंग के जिहादी युद्ध का ही रौद्र रूप है। इस्लामिक विचारधारा के अंतरराष्ट्रीय विद्वान प्रोफेसर डेनियल पाइप (इन दि पाथ ऑफ गॉड,पृष्ठ 46) ने कहा था जिहाद एक अंतरराष्ट्रीय धारणा है। यह संसार के ईसानों को दो भागों में बांटी है। एक दारुल हरब, जहां इस्लाम का राज नहीं है। दूसरा दारुल इस्लाम जहां इस्लामी राज्य है। जिहाद इन लोगों के मध्य निरंतर युद्ध की स्थिति है। इस्लामी चिंतन के विद्वान मौलाना मौदूदी कहते हैं, 'दीन की स्थापना के मकसद से हुकुमत पर कब्जा करने के लिए युद्ध की इजाजत है।' (इस्लामिक लॉ एंड कांस्टीट्यूशन, पृष्ठ 177, 'खुशीद अहमद)

‘मज़हबी उन्माद का धिनौना चेहरा है आतंकवाद’

कि सी भी भूभाग पर रहने वाले लोगों का जीवन उस भूभाग पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर ही निर्भर रहता है। इसलिए पृथ्वी का जो भूभाग व्यक्ति के लिए अन्न, जल व



- डॉ. सुधाकर आशावारी

आवास की व्यवस्था करता है। उस भाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना व्यक्ति का प्रथम दायित्व होना चाहिए। विश्व भर में ऐसा ही है जहां राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के प्रति समर्पित रहता है । कई देशों का विधान ही ऐसा है, जहां व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत आस्थाओं के अनुपालन में राष्ट्र धारा के प्रतिकूल आचरण करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। विडंबना है

कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मज़हब के नाम पर लोगों को मनमानी की छूट प्राप्त है, जिस कारण कुछ लोग मज़हबी उन्माद में जीयो और जीने दो के सिद्धांत की अवहेलना करने में पीछे नहीं रहते, जिसके परिणाम स्वरूप देश में धार्मिक उन्माद आतंकवाद जैसी अमानवीय हिंसा को निमंत्रण देता है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के उपरांत सैलानियों की सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों की विफलता पर सवाल तो उठेंगे ही, मगर इस आतंकी हमले में समूचे देश में विगत अनेक बरसों से राष्ट्र से पहले मजहब को मानने का प्रचलन भी कम दोषी नहीं है। कौन नहीं जानता कि किसी भी पंथ निरपेक्ष राष्ट्र में सभी को अपने अपने धार्मिक मूल्यों के आधार पर पूजा पद्धति अपनाने और सांस्कृतिक व परम्परागत उत्सव मनाने का अधिकार है, किन्तु यह अधिकार राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर प्रहार करने तथा राष्ट्रय अनुशासन को अस्वीकार करने की स्वतंत्रता प्रदान नहीं करता। किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में आम आदमी के लिए दो विधान नहीं हो सकते। भारत का दुर्भाग्य है कि कतिपय राजनीतिक स्वार्थ के चलते कुछ राजनीतिक दलों ने सत्ता बहुमत के आधार पर संविधान

औरंगजेब द्वारा पीने का पानी न उपलब्ध कराने की घटना महत्वपूर्ण है। परिवार में भाई द्वारा भाइयों की हत्या के उदाहरण भी तमाम हैं। क्या युद्ध मानव जाति का स्वभाव है? भारतीय चिंतन में शक्ति का महत्व है। श्रीराम विश्व मानवता के मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। स्वाभाविक महानायक हैं। गीता में श्रीकृष्ण श्रेष्ठ विभूतियों का उल्लेख करते हैं। कहते हैं, 'ऋतुओं में बसंत में हूं। नदियों में गंगा में हूं। वृक्षों में पीपल का वृक्ष मैं हूं। शस्त्रधारियों में शस्त्रधारी श्रीराम मैं



ही हूं।' श्रीराम के अनेक रूप हैं। लेकिन शस्त्रधारी श्रीराम की बात ही दूसरी है। भारतीय देव प्रतीकों में शस्त्रधारियों की संख्या कम नहीं है। परमवीर हनुमान वज्रधारी हैं। परशुराम परसा धारण करते हैं। ऋग्वेद में रुद्र बिजलियां गिराते हैं। दुर्गा देवी अनेक शस्त्र धारण करती हैं। श्रीकृष्ण सुदर्शन चक्र धारण करते हैं। वैदिक देवता इंद्र शस्त्र धारण करते हैं। भौतिकवादी दृष्टि से गीता का पूरा दर्शन युद्ध भूमि के तनाव की प्रेरणा है। अनांलड टायनबी ने 'दि स्टडी ऑफ हिस्ट्री' में सभ्यताओं के जन्म

की परिस्थितियों का विवेचन किया है। उन परिस्थितियों का भी विवेचन है। डॉ. राधाकृष्णन ने एक भाषण माला (1924) में कहा था कि, 'सभ्यता मनुष्यों द्वारा आसपास की परिस्थितियों के साथ कठिन सम्बंधों में तालमेल बिठाने का परिणाम होती है।' टायनबी ने इस प्रक्रिया को 'चुनौती और प्रतिभाव' के ढंग की प्रक्रिया माना है। बदलती हुई परिस्थितियां समाजों के लिए चुनौती के रूप में सामने आती हैं और उनका

सामना करने से भी सभ्यताओं का जन्म और विकास होता है।' अपने आप को परिस्थितियों के अनुकूल ढालने के अनवरत प्रयत्न का नाम जीवन है। जब हम अपने आपको सफलतापूर्वक उनके अनुकूल ढाल लेते हैं, तब हम प्रगति कर रहे होते हैं और जब बर्बरता चुनौती देती है तो युद्ध अनिवार्य हो जाता है। इसी भाषण माला में डॉ0 राधाकृष्णन ने कहा है कि, 'युद्ध अच्छे उद्देश्यों को पूरा करने के साधन है।' यहां कुछ उद्धरण दिए जाते हैं जिनसे यह बात स्पष्ट हो जाएगी। नीलो का कथन है,

‘जो राष्ट्र दुर्बल और दयनीय होते जा रहे हैं, उनके लिए, युद्ध को औषधि के रूप में सुझाया जा सकता है।' उसने कहा, 'पुरुषों को युद्ध का प्रशिक्षण दिया जाए। बाकी सब बातें बेहूदा हैं।' यदि उद्देश्य अच्छा हो, तो उसके कारण युद्ध तक को भला समझा जा सकता है। अच्छे युद्ध के कारण किसी भी उद्देश्य को भला समझा जा सकता है। गीता में, 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्-युद्ध का उद्देश्य है।' रस्किन का कथन है, 'महान राष्ट्रों ने अपने

विचारों की सत्यता और सफलता को युद्धों में ही पहचाना है। युद्धों द्वारा वे राष्ट्र पनपे और शांति द्वारा नष्ट हो गए।' युद्ध में उनका जन्म हुआ और शांति में वह मर गए। मोल्टेक ने कहा, 'युद्ध परमात्मा के संसार का आंतरिक अंग है, जो मनुष्य के सर्वोत्तम गुणों का विकास करता है। स्थाई शांति केवल एक स्वप्न है और वह भी कोई सुंदर स्वप्न नहीं।' बर्नहार्डी ने घोषणा की युद्ध एक प्राणी शास्त्रीय आवश्यकता है। यह मानव जाति के जीवन में एक अनिवार्य नियामक वस्तु है। युद्ध के

अभाव में घटिया और चरित्रहीन जातियां स्वस्थ और सशक्त जातियों पर हावी हो जातीं और परिणामस्वरूप पतन ही होता। युद्ध नैतिकता का एक अनिवार्य उपकरण है। यदि स्थितियों के कारण आवश्यकता हो, तो युद्ध करवाना न केवल उचित है, अपितु राजनीतिज्ञों का नैतिक और राजनीतिक कर्तव्य भी है। ओसवाल्ड स्पैंगलर लिखता है, 'युद्ध उच्चतर मानवीय अस्तित्व का शाश्वत रूप है। राष्ट्रों का अस्तित्व ही केवल युद्ध करने के लिए है।' आर्थर कीथ ने 1931 में हुए कैंडि विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए कहा था, 'प्रकृति अपने मानवीय उद्यान को छंटाई द्वारा स्वस्थ बनाए रखती है। युद्ध उसकी कारनी है। हम उसकी सेवाओं के बिना काम नहीं चला सकते।' सभी राष्ट्रों में ऐसे व्यक्ति हुए हैं, जिन्होंने युद्ध को शक्ति प्रदान करने वाले के रूप में स्तुति की। कहा जाता है कि युद्ध से साहस, स्वाभिमान, निष्ठा और वीरता जैसे उच्च गुणों का विकास होता है। लेकिन भारत युद्ध प्रिय देश नहीं है। यह गाँधी, बुद्ध, विवेकानन्द व हेडगेवार का देश है।

हम पर युद्ध थोपा गया है। अब युद्ध का कोई विकल्प नहीं। राष्ट्र मर्माहत है। भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जवाबी कार्रवाई शुरू कर रहा है। गृह मंत्री अमित शाह प्रतिपल सजग व सक्रिय हैं। राजनाथ सिंह सेना की बैठकें कर रहे हैं। विपक्ष ने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है। गीता के प्रवचन के अंत में संजय ने कहा, 'यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पाथो धनुर्धरः। तत्र श्रीर्विजयो भूतिर्धुरा नातिर्मतिम्।' (गीता 18.78)-जहाँ श्रीकृष्ण और धनुर्धर अर्जुन हैं, उसी पक्ष की विजय सुनिश्चित है।''

॥ चाणक्य नीति ॥

धनहीनो न हिनश्च धनिकः सः सुनिश्चयः।

विद्यारत्नेन हीनो यः सः हीनः सर्ववस्तुषु ॥

धनहीन होने पर किसी को निर्धन नहीं कहा जा सकता, वह तो निश्चित रूप से धनिक है। जो व्यक्ति विद्यारत्न से हीन है, वह संसार की सभी वस्तुओं से हीन है, अर्थात् सबसे बड़ा निर्धन है; क्योंकि सच्चा धन तो विद्या है।

दृष्टिपूतं न्यसेत् पादं वस्त्रपूतं पिबेज्जलम्।

शास्त्रपूतं वदेद् वाक्यं मनःपूतं समाचरेत् ॥

मार्ग में चलने से पहले उसे अपनी आंख से भली प्रकार देख लेना चाहिए, जल को वस्त्र से छानकर पीना चाहिए, शास्त्र द्वारा संशोधित वाणी ही बोलनी चाहिए तथा पवित्र मन से ही दूसरों के साथ व्यवहार करना चाहिए।

सुखार्थी चेत् त्यजेद् विद्यां चेत् त्यजेत् सुखम्।

सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतो सुखम्॥

जो व्यक्ति सुख की इच्छा रखता है, उसे विद्या-प्राप्ति की आशा को सहयोगी छोड़ देना चाहिए और यदि वह विद्या प्राप्त करना चाहता है, तो उसे सुख का परित्याग करने के लिए तैयारी करनी चाहिए; क्योंकि सुखार्थी को विद्या और शिष्यों को सुख कभी प्राप्त नहीं हो पाता।

काँव-काँव

भारत छोड़ो आंदोलन में बहुगुणा रहे आगे-योगी

हिंदू महासभा के नेता अंग्रेजों के साथ थे।

ब्रिटेन अमेरिका के इशारे पर पाले आतंकी-पाक

मतलब मासूमियत की भी एक हद होती है!

राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार के साथ-राहुल हमारी यही बात दुश्मनों को अच्छी नहीं लगती!

पाकिस्तानियों को तलाश कर वापस भेजें-शाह

घाटी में घुसे सैकड़ों आतंकियों का पता नहीं!

मौजूदा संघर्ष धर्म और अधर्म के बीच-भागवत

पूरी भागवत कथा इसी कथानक पर टिकी है!

यूपी बोर्ड परीक्षा में लड़कियों ने किया कमाल

लड़कों के पास पढ़ाई से ज्यादा जरूरी काम!

भारत-पाक तनाव से संसेक्स धड़ाम

करे कोई, भरे कोई!

रेलवे और कश्मीरी पंडित निशाने पर

कश्मीर की यही दो नाजुक नब्ज हैं!

...तो पर्दे के पीछे से ‘खेला’ कर रहा है चीन

भारत को अंग्रेजों से आजादी दिलाने की भूमिका वर्षों पहले शुरू कर दी गई थी। फिर यह बात जब तय हो गई कि अब बंटवारा होकर ही होगा, तो प्रश्न यह उठने लगा कि इसका आधार क्या होगा? तब एक चुनाव हुआ जिसमें बड़-चक्रर हिंदू और मुस्लिमों ने भाग लिया। निश्चय हुआ कि इस चुनाव में जिस तरफ जिसका बहुमत साबित होगा, उसी के अनुसार दो देश होंगे। एक तो हिंदुस्तान ही होगा, नए



- निशिकांत ठाकुर

देश का नाम पाकिस्तान होगा। चूँकि संयुक्त पंजाब के आधे भाग के साथ पूर्वी बंगाल में भी मुस्लिम लोग को बहुमत मिला था, लेकिन इसके बावजूद कहा गया कि जिन्हें जिन्हें पाकिस्तान जाना हो, वे उधर जा सकते हैं और जिन्हें भारत की धरती प्यारी है, वह भारत में रह सकते हैं। इस अदल-बदली में काफी खून-खराबा हुआ और पाकिस्तान तथा पूर्वी पाकिस्तान का निर्माण हुआ। भारत दो खंडों में बंट गया। भारत हिंदू बहुल, तो पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान मुस्लिम बहुल देश बन गए। जिनके लिए भारत की जमीन प्यारी थी,

वह हिंदुस्तान को अपने पूर्वजों की धरती मानकर किसी बहकाने में न आकर भारत में ही रहकर अपनी उदारता का परिचय दिया। इसी प्रकार जो हिंदू मुस्लिम पाकिस्तान की मिट्टी को अपनी जमीन मानते थे, वे पाकिस्तान-पूर्वी पाकिस्तान के हो गए। भारत के बंटवारे का लगभग यही इतिहास है, लेकिन इसे आज इसे कई नजरिये से देखा जाता है। उस पर बाद में हमें की बात होगी।

अंग्रेजों ने अपनी नीति इस तरह बनाई थी कि हिंदू और मुस्लिम कभी साथ न मिल सकें वे रेल की पटरियों की तरह चलें तो साथ-साथ, लेकिन कहीं मिल न पाएं। इसलिए दोनों समूहों के बीच दीर्घ सप्ताद होते रहे और अंग्रेज इसका लाभ उठाते रहे। पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान का भारत से अलग होने के कई कारणों में एक यह भी कारण था, जिसका बेजा लाभ अंग्रेज उठाते रहे और भारत-पाकिस्तान बनाकर अपने देश लौटकर चले गए। जो मुस्लिम पाकिस्तान चले गए, वे आज भी वहां उपेक्षित हैं और मुजलिह कहलाते हैं। फिर समय-समय पर होने वाले दों में अपने पछावले पर आँसू बहते रहते हैं और अल्पसंख्यक होने के कारण अपनी इज्जत भी गंवाते रहते हैं। वर्ष 1971 में भारत के विशेष सहयोग से पूर्वी पाकिस्तान कटकर बांग्ला देश बना, लेकिन कुछ समय तक तो बांग्ला देश भारत का ऋणी रहकर भारत के लिए समर्पित रहा, लेकिन वह केवल दिखावा था। आज वहां हिंदू उपेक्षित हैं। भारत से ही अपनी खुबस उत्साहर बांग्ला देश समय-समय पर आँखें दिखाता रहता है। वैसे भारत में यदि कुछ होता है, तो वह उसका निजी मामला है और यदि बांग्ला देश में दौ या कोई अत्याचार

अल्पसंख्यकों पर होता है, तो यह उसका भी निजी आंतरिक मामला है। लेकिन, जब किसी समुदाय विशेष पर अत्याचार होता है, तो फिर वह किसी देश का निजी मामला नहीं हो सकता है। लेकिन, आज बांग्ला देश ही नहीं, जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां जब जानबूझकर अल्पसंख्यक के नाम पर उन्हें सताया जाने लगता है, वह अंतर्राष्ट्रीय मामला हो जाता है। भारत के मामले में चाहे पाकिस्तान ही क्यों ना हो, वहां के हिंदू भी अत्याचार के शिकार होने



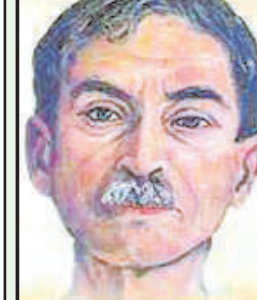
लगे हैं। आज तो स्थिति यह है कि भारत की आंतरिक घटनाओं पर भी बांग्ला देश सलाह देने लगा है। बताते चलें कि भारत द्वारा जब सीमा पर तार लगाने की बात आई थी, तब भी ढाका में बांग्ला देश के अधिकारियों ने भारतीय अधिकारी को आँखें तोरे करके चेतावनी दी थी। उसके बाद तो ऐसा लगातार होने लगा, जब बांग्ला देश भारत के आंतरिक मामलों में भी हस्तक्षेप करने लगा और भारतीय अधिकारियों को ज्ञान देने लगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान का तो भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना मानो जन्मसिद्ध अधिकार है। इसी क्रम में देखें तो पिछले

दिनों जब भारतीय संसद ने वक्फ संशोधन कानून संसद में पेश किया, तो उस पर भी उसने टिप्पणी की थी। फिर बांग्ला देश क्यों पीछे रहता! वह भी भारत के पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुए दंगों को लेकर हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया है और आपत्तिजनक समर्पण करने के लिए नक्शे पर बांग्ला देश स्थापित हो सका। लेकिन, हद तो तब हो गई जब बांग्ला देश के सैनिकों ने सरकार का तख्ता पलटने के लिए एक साजिश के तहत



ने कहा कि बांग्ला देश अपने यहां हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान दे, न कि भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करे। बांग्ला देश का जन्म ही 1971 में भारतीय सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को लगभग एक लाख सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने के साथ हुआ था, क्योंकि वहां पाकिस्तानी शासकों और सैनिकों द्वारा हिंसक कार्य किया जा रहा था। लेकिन, बांग्ला देश के तत्कालीन नेता मुनिरुद्द रहमान की याचना पर जनरल मानिक शाह को इस अभियान के लिए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी

प्रेमचंद की कहानियां



ईदगाह

ग्रामीणों का यह छो दल अपनी विपन्नता से बेखबर सन्तोष और धैर्य में मगन चला जा रहा था। ब के लिए नगर की सभी चीजें अनेखी थीं। जिस चीज की ओर ताकते, ताकते है रह जाते। और पीछे से बार-बार हॉर्न की आवाज होने पर भी न चेतते। तो मोटर के नीचे जाते-जाते बचा।

सहसा ईदगाह नजर आया। ऊपर इमली के घने वृक्षों की छाया। नीचे पह फर्श है, जिस पर जाजिम बिछा हुआ है। और रोजेदारों की पंक्तियां एक के ए एक न जाने कहाँ तक चली गयी हैं, पक्के जगत के नीचे तक, जहां जाजिम नहीं है। नये आने वाले आकर पीछे की कतार में खड़े हो जाते हैं। आगे का नहीं है। यहां कोई धन और पद नहीं देखता। इस्लाम की निगाह में सब बरस हैं। इन ग्रामीणों ने भी वजू किया और पिछली पंक्ति में खड़े हो गये। कितना मुरा संचालन है, कितनी सुन्दर व्यवस्था ! लाखों सिर एक साथ सिजदे में झुक ह हैं, फिर सब-के-सब एक साथ खड़े हो जाते हैं, एक साथ झुकते हैं और एक साथ घुटनों के बल बैठ जाते हैं। कई बार यही क्रिया होती है, जैसे बिजली में लाखों बत्तियां एक साथ प्रदीप्त हों और एक साथ बुझ जायें, और यही क्रम चला रहे। कितना अपूर्व दृश्य था, जिसकी सामूहिक क्रियाएं, विस्तार और अनन्त हृदय को श्रद्धा, गर्व और आत्मानन्द से भर देती थीं, मानो भ्रातृत्व का एक मूर इन समस्त आत्माओं को एक लड़ी में पिरोये हुए है।

नमाज खत्म हो गयी है। लोग आपस में गले मिल रहे हैं। तब मिठाई और खिलौने की दुकानों पर धावा होता है। ग्रामीणों का यह दल इस विषय में बालों से कम उत्साही नहीं है। यह देखो, हिंडोला है। एक पैसा देकर चढ़ जाओ। कर्म आसमान पर जाते हुए मालूम होंगे, कभी जमीन पर गिरते हुए। यह चीं। लकड़ी के हाथी, घोड़े, ऊंट छड़ों से लटके हुए हैं। एक पैसा देकर बैठ जाओ और पच्चीस चक्रों का मोजा लो। महमूद और मोहसिन और नूरे और सम्मी इन घोड़ों और ऊंटों पर बैठते हैं। हमिद दूर खड़ा है। तीन ही पैसे तो उसके पान हैं। अपने कोष का तिहाई जरा-सा चक्कर खाने के लिए नहीं दे सकता।

सब चरिखियों से उतरते हैं।

क्रमशः...

॥ अमृत कलश ॥

धर्म का पाखंड क्यों?

एक ब्राह्मण धर्म-कर्म में निमग्न रहता था। उसने जीवनभर पूजा-पाठ किए बिना कभी भी अन्न ग्रहण नहीं किया था। जब वृद्धावस्था आई तो वह बीमार पड़ गया और अपना अंत समय निकट जानकर विचार करने लगा, काश ! प्राण निकलने से पूर्व मुझे गंगाजल की एक बूंद मिल जाती तो मेरे पापों का नाश हो जाता और मुझे मुक्ति मिल जाती। तभी कबीरदास घूमते-घामते उस ब्राह्मण के घर पहुंचे और उसकी कुशल-क्षेम पूछकर कुछ सेवा करने की अभिलाषा व्यक्त की। उस ब्राह्मण ने कहा, बेटा, मैं सेवा करवाने का इच्छुक तो नहीं हूं लेकिन तुम्हारी सेवा भावना से तो मुझे एक लोटा गंगाजल लाकर दे दो। मैं मरने से पूर्व गंगाजल का सेवन कर पापों से मुक्ति चाहता हूं। कबीरदास गंगा किनारे गए और अपने ही लोटे में गंगाजल ले आए। ब्राह्मण ने जब देखा कि कबीरदास अपने लोटे में ही गंगाजल लाए हैं तो वह बोला, तुम्हें अपने लोटे में गंगाजल लाने के लिए किसने कहा था। जुनाह के लोटे से गंगाजल ग्रहण कर मैं पापों से कैसे मुक्त हो सकूंगा। इससे तो मेरा धर्म भी भ्रष्ट हो जाएगा। कबीरदास बोले, हे ब्राह्मण देवता ! जब गंगाजल में इतनी ही शक्ति नहीं है कि वह जुलाहे के लोटे को पवित्र कर सके, तब आपको उस जल से कैसे मुक्ति मिल पाएगी? कबीरदास का प्रश्न सुनकर वह ब्राह्मण निरुत्तर हो गया और निर्निमेष उनकी ओर ही देखने लगा।

गूगल क्रोम से भी कई गुना तेज काम करता है ये ब्राउजर



क्रोमियम पर है बेस्ट
 क्योंकि एज भी क्रोमियम बेस्ट है, आप क्रोम की लगभग सभी एक्सटेंशंस इसमें भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें वर्टिकल टैब्स, साइडबार शॉर्टकट्स, डेडकेटेड रीडिंग मोड और इनबिल्ट पीडीएफ एडिटर जैसे एक्सट्रा टूल्स भी दिए गए हैं जो कोम में मौजूद नहीं हैं।

एज क्यों नहीं हो पाया लोकप्रिय?
 इतनी सारी खूबियों के बावजूद एज की मार्केट हिस्सेदारी आज भी 5% से नीचे है, जबकि क्रोम 60% से ज्यादा यूजर्स के दिलों में जग कर रहा है। इसके पीछे सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि माइंडसेट का रोल है। इंटरनेट एक्सप्लोरर की जो स्लो होने की छवि बनी थी, उसने लोगों के मन में माइक्रोसॉफ्ट बाजर्स के प्रति एज नेगेटिव इमेज बैठा दी। यही वजह है कि जब 2015 में एज लॉन्च हुआ, तो लोगों ने उसे पुराने IE का नया वर्जन मान लिया, भले ही वो पूरी तरह से नया प्लेटफॉर्म था।

प्यार तो है लेकिन कमिटमेंट नहीं चाहता
साथी, क्या है डेटिंग के आधुनिक नाम

व्यक्ति अपने एक्स के जीवन की अपडेट सोशल मीडिया से लेता रहता है, लेकिन कभी बातचीत नहीं करता।

फोमो डेटिंग

इसमें लोग सिर्फ इसलिए डेटिंग करते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि वो कुछ मिस कर रहे हैं। यह असली भावनाओं से ज्यादा ट्रेड और दबाव से प्रेरित होता है।

क्या खाने से आती है अंडे-चिकन जैसी ताकत

ताकत देने वाला है जीरा
जो स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि इसमें 12, आयरन, फाइबर, मैग्नीशियम और ऐसे तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जो नॉनवेज नहीं खाते, उनके लिए जीरा फूड बन सकता है। इससे मिलने वाला रक्त थकान, कमजोरी और ध्यान की ओं को दूर करता है।

चिंता दूर भगाने के लिए रोजाना करें इन योगासनों का अभ्यास

भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम के दौरान निकलने वाली हम्म की आवाज मस्तिष्क को गहराई से शांत करती है, जिससे चिंता, गुस्सा और बेचैनी से आराम मिलता है।

इस प्राणायाम के अभ्यास के लिए आप सो बैठकर अथवा बेंच कर लें। अब तर्जनी उंगलियों को दोनों कानों पर रखें। मुँह बंद रखते हुए नाक से सांस लें और छोड़ें। इस दौरान ऊँ का उच्चारण भी कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को 5-7 बार दोहराएं।

बालासन

इस आसन का अभ्यास शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है।

इसके अभ्यास के लिए वज्रासन की स्थिति में बैठकर माथे को जमीन पर लगा लें। दोनों हाथों को जमीन पर रखकर जाँघों से छाती पर दबाव डालें। इस अवस्था में कुछ देर रुकें। इस आसन से दिमाग और मन शांत रहता है। नींद अच्छी आती है और तनाव को कम करता है।

इस आसन का अभ्यास शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है। इसके अभ्यास के लिए वज्रासन की स्थिति में बैठकर माथे को जमीन पर लगा लें। दोनों हाथों को जमीन पर रखकर जांघों से छाती पर दबाव डालें। इस अवस्था में कुछ देर रुकें। इस आसन से दिमाग और मन शांत रहता है। नींद अच्छी आती है और तनाव कम होता है।



	मेष : आर्थिक सुदृढ़ता आएगी। लाभ प्राप्ति के मार्ग बनेंगे। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। सोच समझ कर निर्णय लेने पर लाभ होगा।
	वृष : परिवार में कलेश और तनाव से बचने की चेष्टा करेंगे तो अच्छा रहेगा। कुछ संयम और संतुलन रखना उचित होगा अन्यथा तनाव पैदा हो सकता है।
	मिथुन : रक्षाई एवं अरसाई उद्यम लाभ देते होंगे। परिवर्तन प्रेरणों का शुभ लाभ निकलेगा और हार्दिक प्रसन्नता भी बढ़ेगी। संघर्ष के उपरांत विजय भी होगी।
	कर्क : विपरीत स्थितियों व्यथित कर सकती है। घरेलू सुखों में कमी की स्थिति बनेगी। बढ़ते व्यय के कारण बचत कोष रिक होगा। किसी से टकराव अच्छा नहीं।
	सिंह : शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होगा। सप्ताहों की कमी अनुप्राप्त कार्य व्यवहार की अनियमितता और खराब कतिपय होगा। महत्वपूर्ण कार्य कोशाश के बाद बनेंगे।
	कन्या : यात्रा करेंगे। मनोरंजन का अवसर मिलेगा। राजकीय क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ेगा। प्रतिष्ठ वृद्धि के साथ धन
	तुला : धनागमन होगा। पूर्ण निर्धारित योजनाएं फलीभूत होंगी। रोजी रोजगार में सम्मान होगा। मान सम्मान बढ़ेगा। सत्परायण से लाभ होगा।
	वृश्चिक : तनाव पैदा हो सकता है। सहयोगी की उपेक्षा ठीक नहीं होगी। व्यापार व्यवसाय यात्रा और लेखन के मामलों में साहस ठीक नहीं।
	धनु : परिस्थितियों की जटिलता से कामकाज प्रभावित हो सकता है। समस्याओं के समाधान के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। अप्रूप कार्य पूर्ण होंगे।
	मकर : अस्वस्थता रहेगी। कार्य की सफलता में रुकावट आएगी। परिवार में अत्यवस्था और विवाद की चिंता बढ़ेगी। लोभ व लालच में नैतिकता ना छोड़े।
	कुंभ : अच्छे सहयोगी की तलाश रहेगी। पारिवारिक संबंधों में मतभेद होगा। मानसिक तनाव रहेगा। पूंजी निवेश से धन प्राप्ति होगी। बढ़ते व्यय की पूर्ति होगी।
	मीन : चरलू निर्णय के विषय में किसी सूचना से विचलित न होंगे। विरोधी कमजोर होंगे किसी की करने

—ज्योतिषाचार्य—पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

रविवार, 27 अप्रैल, 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य उतर अयने पूव्वी उत्तर गोलार्ते वसंत ऋतौ वैशाख मासोमते कृष्ण पक्षे अमावस्या तिथौ रवि वारे 25/02/ अश्विनी नक्षत्रे 24/39/ प्रीति योग 24/19/ चतुष्टय करणे 14/56/ मेष राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

दैनिक पंचांग लखनऊ— स्नानदान श्रद्धादि की अमावस्या। सूर्य भरणी नक्षत्र में घं.19मि.10पर। बुध रेवती नक्षत्र में घं.15मि.31 पर। अगस्त्यास्य घं 20मि.13पर।

आरएनआई रजि नं. 50969/89 डाक पंजीयन सं. के.पी./सिटी एल.पी.पी./2/96

पहलगाम की निष्पक्ष जांच को तैयार : शहबाज

पाक पीएम बोले किसी भी हमले से निपट लेंगे | फौज पाकिस्तान की हिफाजत में सक्षम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम हमले के बाद हर जांच के लिए तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए तैयार है। पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में एक परेड को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि पहले भी पाकिस्तान पर ऐसे हमले के आरोप लगाए जाते रहे हैं। इसे पूरी तरह से बंद किया जाना चाहिए। एक जिम्मेदार देश के तौर पर पाकिस्तान किसी भी तटस्थ और पारदर्शी जांच में हिस्सा लेने के लिए तैयार है।



शरीफ ने कहा कि भारत दुनिया को गुमराह कर रहा है। बिना किसी विश्वसनीय जांच और सबूत के पाकिस्तान पर झूठा आरोप लगाकर देश को बदनाम कर रहा है।

शरीफ ने कहा कि यदि सिंधु नदी के पानी को कम करने या मोड़ने की कोशिश की गई तो पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के लिए बेहद जरूरी है। यह हमारे 24 करोड़ लोगों की जिंदगी का सवाल है। हम हर कोमत पर इसे सुरक्षित रखेंगे। शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान शांति

चाहता है, लेकिन उसकी इस इच्छा को कमजोरी न समझा जाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। पाकिस्तान के फौजी अपने देश को बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत ने हाल ही में पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौता रद्द करने का ऐलान किया है। शरीफ ने कहा कि जिन्ना ने सही कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। दुर्भाग्य से यूनाइटेड स्टेट्स के कई प्रस्तावों के बावजूद यह मामला आज तक नहीं सुलझा है। पाकिस्तान कश्मीर के लोगों के फैसला लेने के अधिकार का हमेशा समर्थन करता रहेगा।

ईरान के बंदरअब्बास पोर्ट पर धमाका, 4 की मौत 500 से ज्यादा घायल

तेहरान। ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर शनिवार को विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई और 500 से ज्यादा घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुरुआती जांच में पता चला है कि घटनास्थल पर ज्वलनशील पदार्थों के स्टोरेज में लापरवाही से यह हादसा हुआ। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि यह विस्फोट बंदर अब्बास पोर्ट के ठीक बाहर शाहिद राजाई पोर्ट के सिना कंटेनर यार्ड में हुआ। यहां पर ट्रांसपोर्ट कंटेनरों को रखा जाता है, जिसमें ऑयल और अन्य पेट्रोकेमिकल फेंसिलिटी भी है। रेस्क्यू वर्कर्स हादसे वाली जगह से लोगों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

पाक में अब बिलावल भुट्टो के भी बिगड़े बोल

इस्लामाबाद। पहलगाम के कायराना हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की है। जिसकी वजह से पाकिस्तान के बड़े नेता अपना होश खो बैठे हैं। इस कड़ी में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी **कहा सिंधु नदी में खून बहेगा** (पीपीपी) के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सहयोगी बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल संधि विवाद पर भड़काऊ टिप्पणी करते हुए कहा कि नदी में खून बहेगा। जरदारी ने एक सार्वजनिक रैली में कहा कि मैं इस सिंधु नदी के साथ खड़ा हूं और भारत को संदेश देता हूं कि सिंधु नदी हमारी है, या तो हमारा पानी इस नदी में बहेगा या आपका खून बहेगा। पाकिस्तान



पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष ने कहा कि भारत ने पहलगाम ज़ासदी के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराया है। अपनी कमजोरियों को छिपाने और अपने लोगों को मूर्ख बनाने के लिए, (भारतीय प्रधानमंत्री) मोदी ने झूठे आरोप लगाए हैं और सिंधु जल संधि

को एकतरफा तरीके से निलंबित कर दिया है, जिसके तहत भारत ने स्वीकार किया है कि सिंधु पाकिस्तान की है। मैं यहां सुकुुर में सिंधु के पास खड़ा होकर भारत को बताना चाहता हूं कि सिंधु हमारी है और सिंधु हमारी ही रहेगी, चाहे इस सिंधु में पानी बहे या उनका खून। उनका यह बयान

भारत द्वारा जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी हमले पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए जल संधि को निलंबित करने के बाद आया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए।

अमेरिका में रद्द नहीं होगा विदेशी छात्रों का वीजा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार अदालत के आगे झुकती हुई नजर आ रही है। ट्रंप की सरकार ने हाल ही में अपने एक फैसले को पलटने का फैसला किया है,

ट्रंप प्रशासन ने पलटा अपना फैसला

जिसके बाद अब अमेरिका में रह रहे विदेशी छात्रों का वीजा रद्द नहीं किया जाएगा। एक सरकारी वकील ने शुक्रवार को घोषणा की है कि अमेरिकी आब्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने देश भर में रह रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की कानूनी अनुमति खत्म करने के अपने फैसले को

बदलने का फैसला लिया है। ट्रंप सरकार की तरफ से वकील ने ओकलैंड की एक संघीय अदालत को बताया कि आईसीई उन छात्रों की कानूनी स्थिति को मैनुअली बहाल कर रहा है जिनके रिकॉर्ड हाल ही में खत्म कर दिए गए थे। बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने अमेरिका में 1000 से ज्यादा विदेशी छात्रों के वीजा पर रोक लगा दी थी। ट्रंप के इस फैसले के बाद सैकड़ों छात्रों के सामने हिरासत में लिए जाने और निर्वासित किए जाने का खतरा पैदा हो गया था। इसके बाद कई छात्रों ने ट्रंप सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। छात्रों ने दलील दी थी कि सरकार ने उनसे अमेरिका में रहने की इजाजत अचानक वापस ले ली है।

ब्रिटेन में भारतीय समुदाय का विरोध प्रदर्शन

लंदन। भारतीय समुदाय के सदस्यों ने शुक्रवार को लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले

कहा पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री

की निंदा की। भारतीय झंडे, बैनर और तख्तियां थामे भारतीय समुदाय के सदस्यों ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और बैनर पकड़े हुए थे, जिन

पर लिखा था, मैं हिंदू हूं। भारतीय समुदाय के एक सदस्य ने कहा कि हम भारतीय पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए यहां एकत्र हुए हैं। उन्होंने (पाकिस्तान ने) आतंक की फैक्ट्री को बढ़ावा दिया है और इसी वजह से पहलगाम में हमारे 26 लोग मारे गए। हम इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि पहलगाम में हुए जघन्य आतंक की हमले के कारण ब्रिटेन में रहने वाला भारतीय समुदाय आक्रोशित है।

पाक डिप्लोमैट की शर्मनाक हरकत

लंदन में पाकिस्तानी दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों की तरफ पाकिस्तानी राजनयिक ने गला रेतने का धमकी भरा इशारा किया। इसके बाद वहां मौजूद लोगों में और सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन स्थित पाकिस्तानी दूतावास में रक्षा अताशे के रूप में काम करने वाले तैमूर राहत धमकी भरा इशारा करते हुए कैमरे में कैद हो गए। पाकिस्तानी राजनयिक का यह व्यवहार तब सामने आया जब पाकिस्तानी दूतावास के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने पहलगाम हिंसा को लेकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और पाकिस्तान से आतंकवाद फैलाने से बाज आने को कहा।

मेलबर्न में भी सड़क पर उतरे भारतीय

मेलबर्न। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश ही नहीं दुनिया भर के भारतीयों में भी आक्रोश है। मेलबर्न, लंदन, काठमांडू समेत तमाम जगहों पर भारतीय समुदाय पहलगाम हमले के विरोध में सड़क पर उतर आया है। मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वायर पर शनिवार को भारतीय समुदाय के हजारों लोगों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थीं। उन्होंने पाकिस्तान आतंकवाद बंद करो, पाकिस्तान सेना आतंकी सेना और हिंदुओं का जीवन मायने रखता है जैसे नारे लगाए। उधर, काठमांडू में भी लोगों ने पाकिस्तान दूतावास के पास विरोध प्रर्शन किया।

डांस सिर्फ प्रदर्शन नहीं, एक जज़्बात है!

हर साल 29 अप्रैल को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल डांस डे सिर्फ एक कला का जश्न नहीं, बल्कि उन कहानियों का उत्सव है, जिन्हें डांस बिना एक शब्द कहे बयां कर देता है। डांस सिर्फ प्रदर्शन नहीं, एक एहसास है, एक जज़्बात है, जो संस्कृति, आत्मा और अपनेपन को बयां करता है। इस खास दिन की खूबसूरती को जी टीवी के कई चितारों ने डांस से जुड़ी अपनी खास यादें और एहसास शेयर किए। 'कैसे मुझे तुम मिल गए' में बबीता का किरदार निभा रही किशोरी शारणा कहती हैं, "मेरे लिए डांस अनुशासन और अभिव्यक्ति है। जब से मैंने इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया, डांस मेरी जिंदगी का हिस्सा बन गया है।" यह मेरे लिए स्ट्रेस बस्तर भी है। "वसुधा" में वसुधा का किरदार निभा रही प्रिया ठाकुर कहती हैं, "डांस हमेशा से मेरे दिल के बेहद करीब रहा है। जब भी स्ट्रेस या थकान महसूस होती है, मैं हिंदी गानों पर डांस करती हूं, यह मुझे



ग्राउंडेड रखता है। डांस मेरे लिए खुशी का दूसरा नाम है।" "भाग्य लक्ष्मी" में शालू का किरदार निभा रही मुनीरा कुदरती कहती हैं, "डांस मेरी पहली और शायद हमेशा की मोहब्बत है।" "जमाई नं. 1" में रिद्धि का किरदार निभा रही सिमरन कौर कहती हैं, "मेरे लिए डांस एक आर्ट फ़ॉर्म नहीं, बल्कि वो जगह है जहां मैं खुद को सबसे ज्यादा असली महसूस करती हूं। इस डांस डे पर मैं सिर्फ परफॉर्मेंस नहीं, बल्कि उन शांत और सुकूनभरे लम्हों का जश्न मना रही हूं जो डांस हमें देता है।" "जागृति" में एक नई सुबह में जागृति का किरदार निभा रही रचना मिस्त्री कहती हैं, "डांस मेरे साथ बचपन से है। डांस मेरे लिए सिर्फ मूवमेंट नहीं, वो मेरी थोपेपी है, मेरी खुशी है, मेरी शान है।" इंटरनेशनल डांस डे पर मुझे हर वो चोट, हर वो थकान, हर वो हंसी और हर वो आसू याद आते हैं जो डांस के साथ जुड़ा रहा।"

डांस खुशी है और जिंदगी का जश्न है!

डांस सिर्फ एक मूवमेंट नहीं है बल्कि ये खुशी है, जुनून है और जिंदगी का जश्न है। बहुत से लोगों के लिए ये फिट रहने या अपनी भावनाएँ जाहिर करने का ज़रिया है, लेकिन कुछ कलाकारों के लिए ये एक दिल से जुड़ा रिश्ता है जो उनकी आत्मा को उर्जा देता है। इस इंटरनेशनल डांस डे पर टीवी कलाकारों ने अपने डांस के प्रति गहरे प्यार, उससे मिलने वाली खुशी, और किस तरह यह उनकी कला की यात्रा को आकार देता है, इस बारे में बातें कीं। भीमा में कैलाशा बुआ की भूमिका निभा रही नीता मोहिन्द्रा ने बताया, "डांस से मुझे खुशी मिलती है और यह खुद को जाहिर करने के लिये मेरा सबसे पसंदीदा तरीका है। मेरे लिये डांस एक गतिमान भावना है। चाहे मैं स्ट्रेज पर हूँ या घर पर अकेली डांस करूँ, मुझे शांति, ऊर्जा और अपनेपन का एहसास मिलता है।" 'हप्पू की उलटन पलटन' में बिमलेश की भूमिका निभा रही सपना सिकंदर ने कहा, "डांस ने मुझे हमेशा खुश किया है। मुझे अपने पहले सोलो डांस का रोजांच



अब भी याद है, जब मेरी धड़कन की लय संगीत, रोशनी और तालियों के साथ बन गई थी। आज भी मुझे अपने सीन को कोरियोग्राफ करना और शॉट्स के बीच कुछ मूव्स दिखाना अच्छा लगता है। डांस से मेरा उत्साह बढ़ जाता है, क्योंकि वह मजेदार होता है, आनंदी का एहसास देता है और मेरे भीतर के परफॉर्मर को जोश से भर देता है।" 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगुरी भाबी का किरदार निभा रही शुष्मंगी अत्रे ने कहा, "डांस हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है और मुझे सबसे ज्यादा एनर्जी इसी से मिलती है। कथक की ट्रेनिंग ने मुझे खूबसूरती और अनुशासन के साथ पेश आना सिखाया है और इससे भी बहरकर मैंने खुद को पूरी तरह से जाहिर करना उससे सीखा है। मैंने लावणी, गरबा और बलीवुड किया है और यह सभी मुझे पसंद हैं। मेरा दिल चाहे कितनी भी व्यस्तता में गुंजे, कुछ खल डांस करने पर मुझे खुशी और शांति मिल जाती है। मेरे लिये डांस सिर्फ एक स्किल नहीं है, बल्कि एक भावना और लय है, जो मेरे भीतर बसती है।"

AWPL
परिवार का हिस्सा बने और बने निरोग खुद भी जिये औरों को भी जीना सिखायें
सुख और समृद्धि दोनों पायें
आयुर्वेद अपनाने जीवन और पैसा दोनों बचायें

जय किशन यादव
फ्रेंचाइजी विनायक एसोसिएट
पता- 6/2 कटरा माधोकुंज प्रयागराज मो. 9935657889

उत्सव लाॅन्स शोरखपुर में
शादी-विवाह एवं अन्य शुभ्र आयोजनो हेतु ।
ब्रह्महबादपुर, शोरखपुर
फोन:- 0551-2338099 +918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेजर सेंटर

डॉ. विश्वास वर्मा नेत्र सर्जन
मेडिकलेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने गोमती नगर लखनऊ मोबाइल: 9415016089